[This question paper contains 4 printed pages.]

2371 *Your Roll No.* .....

आपका अनुक्रमांक _____

M.A. History/IV Semester **A**

Course – HSM – 265

Aspects of Social History 1850–1950

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Use separate Answer Sheets for Part **A** *and* **B.**

Attempt any **two** *questions from each Part. Each Part should be done on a separate sheet and submitted separately.*

All *questions carry equal marks.*

प्रत्येक खंड में से कोई **दो** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक खंड को पृथक् उत्तरपुस्तिका में कीजिए। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

PART A (भाग क)

1. As a student of social history how would you situate tribes in colonial India ?

   सामाजिक इतिहास के शिक्षार्थी के रूप में आप औपनिवेशिक भारत में जनजातियों को किस प्रकार अवस्थित करेंगे ?

2. Make an assessment of the Mahima movement explaining its subversive elements. Why did its influence decline after the initial phase ?

   महिमा आंदोलन का मूल्यांकन उसके ध्वंसात्मक तत्त्वों को स्पष्ट करते हुए कीजिए। प्रारंभिक चरण के बाद उसका प्रभाव क्षीण क्यों हो गया ?

3. Delineate the manner in which the cause of leprosy was located in colonial India ? Critically evaluate the life of the inmates inside the leprosy asylum.

   वर्णन कीजिए कि औपनिवेशिक भारत में कुष्ठरोग का कारण किस प्रकार अवस्थित था। कुष्ठरोग उपचारालय में रहने वालों के जीवन का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए।

4. Discuss any **two** of the following :

   (a) The relevance of the term 'indigenous' when it comes to studying tribals in colonial India

(b) The process of conversion in colonial India.

(c) Stereotyping of 'tribes' and 'castes'.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो का विवेचन कीजिए :

(क) औपनिवेशिक भारत में जनजातियों के अध्ययन के संदर्भ में 'देशी' पद की संगति

(ख) औपनिवेशिक भारत में संपरिवर्तन की प्रक्रिया

(ग) 'जनजातियों' और 'जातियों' का रूढ़िबद्धकरण

PART B (भाग ख)

1. Elaborate the contentious meanings of social reforms for women with reference to any two focal points, i.e. sati debate, widow remarriage, age of consent controversy, Sarda Act, contestations around obscenity, discussions on *purdah* and clothing.

किन्हीं दो केंद्रीय बिंदुओं अर्थात् सती विवाद, विधवा पुनर्विवाह, सम्मति की आयु संबंधी विवाद, शारदा अधिनियम, अश्लीलता संबंधी विवाद, पर्दा और पोशाक संबंधी चर्चाओं के संदर्भ में स्त्रियों के लिए सामाजिक सुधारों के विवादास्पद अर्थों का विशदीकरण कीजिए।

2. How did a gendered language contribute in the strengthening of religious identities in the everyday sphere during late nineteenth, early twentieth century India ?

उन्नीसवीं शती के उत्तरार्ध और प्रारंभिक बीसवीं शती के भारत में प्रतिदिन की सामाजिक स्थिति में धार्मिक अस्मिताओं के दृढ़ीकरण में जेंडर संबंधी भाषा ने किस प्रकार योगदान किया ?

3. What was the impact of colonial rule on caste ? Do you agree that it marked a dramatic shift in terms of caste categories and identities ?

औपनिवेशिक शासन का जाति पर क्या प्रभाव था ? क्या आप इससे सहमत हैं कि इससे जाति कोटियों और अस्मिताओं के संबंध में नाटकीय परिवर्तन हुआ ?

4. In the specific context of western and southern India, describe the growth of anti-Brahmanical movements in late nineteenth and early twentieth century.

पश्चिमी और दक्षिण भारत के विशिष्ट संदर्भ में परवर्ती उन्नीसवीं और प्रारंभिक बीसवीं शती में ब्राह्मण विरोधी आंदोलनों की संवृद्धि का वर्णन कीजिए ।